WE
Vol 5 No. 2
December 2024
e-ISSN: 2583-2298

जी-20 की अध्यक्षता से जम्मू-कश्मीर का विश्व को सन्देश

विवेक मिश्र*

सार

16 नवम्बर 2022 को जी 20 बाली शिखर सम्मलेन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भारत जी 20 की अध्यक्षता सौंपी गई। जिसका कार्यकाल 1 दिसंबर 2022 से 30 नवम्बर 2023 तक रहेगा।इसकी थीम- वसुधैव कुटंबकम अर्थात एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य! जो महोपनिषद् के अध्याय 6 में उल्लिखित है, से सन्दर्भित है। मई माह के 'अवाम की आवाज़' रेडियो कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने कहा- "इस अमृत काल में एक नया, आत्मनिर्भर जम्मू-कश्मीर बनाने का हमारा संकल्प है। जी-20 बैठक का यह ऐतिहासिक अवसर जम्मू-कश्मीर की पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और समाज में नए उत्साह, नए आत्मविश्वास को बढ़ाएगा।[1] इस मेजबानी से जम्मू-कश्मीर की पर्यटन क्षमता, एडवेंचर टूरिज़्म, फ़िल्म उद्योग, कृषि को बढ़ावा एवं यहाँ के युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर खुलेंगे।

1. प्रस्तावना

भारत जी-20 की अध्यक्षता देश के लिए अपनी उपलब्धियों, चुनौतियों और आकांक्षाओं को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। भारत जिन पहलुओं पर सर्वाधिक प्रकाश डालना चाहता है उनमें से एक जम्मू-कश्मीर की स्थिति है, जो दशकों से भारत और पाकिस्तान के बीच एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। भारत ने अपनी संप्रभुता पर जोर देने और क्षेत्र में विकास और शांति पहल के लिए अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने के एक तरीके के रूप में, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में जी-20 के बैठकें आयोजित की। 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर राज्य के विशेष प्रावधान अनुच्छेद 370 को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया,जो क्रमशः जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हैं। जम्मू-कश्मीर में जी-20 बैठकें आयोजित करके भारत ने दुनिया को यह सन्देश दे दिया है कि दशकों से अशांत क्षेत्र अब सामान्य स्थिति में वापस आकर ख़ुशहाली की राह पर अग्रसर है। भारत को उम्मीद है कि जी-20 कार्यक्रम इस क्षेत्र में सकारात्मक ध्यान आकृष्ट करने एवं विदेशी निवेश लाने का सुवसर है। साथ ही इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता को वैश्विक पटल पर प्रदर्शित करने का यह महत्वपूर्ण मंच है।

2. निवेश के अवसर

जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व के प्रमुख निवेशकों सहित सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के प्रमुख एकत्र होते हैं। शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व की नजरें जम्मू-कश्मीर पर हैंइसी कारण क्षेत्र में व्यापार के अवसर तलाशने में रुचि रखने वाले संभावित निवेशकों को आकर्षित करना लाजमी है। विश्व व्यापार पर्यटन परिषद के अनुसार, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान साल 2029 तक 460 बिलियन अमरीकी डालर होने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाती हैं एवं शिखर सम्मलेन इसे बढ़ावा देने का सही अवसर प्रदान करता है।[2]

3. व्यापार और वाणिज्य

जी-20 शिखर सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीतियों पर संवाद का अवसर उपलब्ध करवाता है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से जम्मू-कश्मीर को लाभ होगा। जम्मू कश्मीर पर्यटन सचिव श्री अरविंद सिंह ने कहा कि 22 और 23 मई को 'आर्थिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए फिल्म पर्यटन' पर साइड इवेंट का आयोजन किया जाएगा। मई 2023, फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।साथ ही उन्होंने कहा पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने में फिल्मों की भूमिका का दोहन करने के लिए एक रोडमैप प्रदान करने के लिए 'फिल्म पर्यटन पर राष्ट्रीय रणनीति' का मसौदा तैयार किया जाएगा।[3]

4. पर्यटन को बढ़ावा

जम्मू-कश्मीर अपनी समृद्ध प्राकृतिक सुंदरता एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, जो इसे पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाता है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय माध्यम जम्मू-कश्मीर को सुर्खियों में लाने में महती भूमिका अदा करेगा। इस अंतराष्ट्रीय सम्मेलन से वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और क्षेत्र के पर्यटन उद्योग पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर बहुत अधिक निर्भर है।इस शिखर सम्मलेन से इस वर्ष आगंतुकों की रिकॉर्ड संख्या का अनुमान है।[4] पर्यटन बढ़ने से स्थानीय व्यवसायों में बढ़ोत्तरी, रोजगार सृजन एवं समग्र आर्थिक विकास में वृद्धि होगी।

*शोध अध्येता, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या; ईमेल- vivekkumarmishra9990@gmail.com

©WE-Journal of Arts

5. अंतर्राष्ट्रीय पटल पर ध्यान आकृष्ट

जी-20 शिखर सम्मेलन दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और मीडिया समूहों का ध्यान आकर्षित करता है। यह जम्मू-कश्मीर को अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। उप राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने इस वैश्विक आयोजन के संदर्भ में अपनी बात रखते हुए कहा कि 27 देशों के 57 प्रतिनिधि श्रीनगर में जी-20 बैठक में भाग ले रहे हैं और यह भारत की ताकत और वसुधैव कुटुंबकम के हमारे प्राचीन मूल्यों का प्रतिबिम्ब है।5 पर्यटन कार्य समूह की तीसरी बैठक से ज्ञात होता है कि जम्मू कश्मीर किसी भी अंतराष्ट्रीय कार्यक्रम की मेजबानी करने में सक्षम है। कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (KCCI) ने ठीक ही कहा है कि यह घटना "क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भारी बढ़ावा देगा।" विशेष रूप से, जी-20 कश्मीर शिखर सम्मेलन भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में आईएमएफ की तेजी को बढ़ाएगा।[6] बढ़ी हुई दृश्यता वैश्विक पर्यटकों के बीच जिज्ञासा और रुचि पैदा करेगी।

6. व्यापार के अवसर

जी-20 शिखर सम्मेलन में हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति संभावित निवेशकों और पर्यटन हितधारकों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। घाटी में विदेशी निवेश की वापसी भी क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने में स्थानीय प्रशासन की सफलता का एक विश्वसनीय उपाय है, जो पर्यटकों की सुरक्षा के लिए एक अपरिहार्य शर्त है। मार्च 2023 में, कश्मीर में 500 करोड़ रुपये का पहला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश देखा गया, जिसमें दुबई स्थित एम्मार उद्यम ने एक शॉपिंग और कार्यालय परिसर का निर्माण शुरू किया। इसके अलावा, यूनेस्को के उत्कट समर्थन के साथ, प्रशासन ने राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 30 बिलियन रुपये निर्धारित करते हुए श्रीनगर जिले का कायाकल्प शुरू किया, जिसे 2023 में समयबद्ध पूरा किया जाएगा।[7]

7. फ़िल्म पर्यटन

जम्मू कश्मीर सरकार फिल्म नीति 2021 के अंतर्गत फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बुनियादी ढांचा तैयार करने में सफल रही। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव अपूर्व चंद्रा जी-20 की बैठक में कहा - "कश्मीर में बीते कुछ समय के दौरान 404 फिल्मों, टीवी सीरियस और विज्ञापनो की शूटिंग की अनुमति दी गई है। फिल्म पर्यटन में आप कश्मीर की उपेक्षा नहीं कर सकते। हमने एक प्रो-एक्टिव इकोसिस्टम फिल्म पर्यटन व शूटिंग के लिए विकसित किया है। हम फिल्मों को सहायता प्रदान करने साथ-साथ अंतराष्ट्रीय फिल्म यूनिटों के लिए वीजा सम्बन्धी औपचारिकताओं में भी सहयोग करते हैं।"[8]

8. राजनयिक जुड़ाव

जम्मू और कश्मीर में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित करना एक साहसिक और महत्वाकांक्षी कदम होगा, जम्मू और कश्मीर को उच्चतम स्तर पर पहचानने का अवसर, कई राज्यों के प्रतिनिधिमंडलों ने पिछले बीस वर्षों में नियमित रूप से जम्मू-कश्मीर का दौरा किया है। इस सूची में अमेरिकी विशेष राजदूत रॉबर्ट ब्लैकविल भी शामिल हैं,जो श्रीनगर के साथ-साथ सियाचिन ग्लेशियर दोनों के लिए एक रणनीतिक और परिचालन मार्ग बनाने का नेतृत्व कर रहे थे।[9]

9. बहुपक्षीय समर्थन

जी-20 शिखर सम्मेलन वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद और जनसंख्या के एक महत्वपूर्ण हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले देशों को एकत्र करता है। इन देशों में जम्मू-कश्मीर जैसी चुनौतियों का सामना करने वाले क्षेत्रों पर प्रभाव डालने और राजनयिक समर्थन प्रदान करने की क्षमता है। द्विपक्षीय और बहुपक्षीय जुड़ाव से शांतिपूर्ण समाधानों की वकालत अधिक मानवीय सहायता और क्षेत्र में विकास पहलों के लिए समर्थन बढ़ने के आसार बनेगें। श्रीनगर में एक होटल व्यवसायी मुख्तार अहमद ने कहा- "एंटायर वैली भव्य G-20 इवेंट के लिए उत्साहित है। यह पहली बार है जब कश्मीर में ऐसा भव्य आयोजन हो रहा है। इससे पहले, इस स्वर्ग में ऐसा कोई आयोजन नहीं हुआ। हमारे हस्तशिल्प और पर्यटन स्थलों को वैश्विक मंच पर उजागर किया जाएगा।"[10]

10. ट्रेवल एडवाइजरी ख़त्म होने की उम्मीद

1990 के दशक में जम्मू कश्मीर आंतक के साए से जूझ रहा रहा था। इसी कारण अमेरिका, इंग्लैंड सहित यूरोपीय देशों ने कश्मीर के लिए एक एडवाइजरी जारी की, जिसमें वहाँ के नागरिकों को कश्मीर जाने पर रोंक लगा दी गई। जिससे कश्मीर के पर्यटन पर बहुत नकारात्मक असर हुआ। अब अनुच्छेद 370 के पश्चात कश्मीर के हालातों पर अमूलचूल परिवर्तन आया है। आतंक और अलगाववाद अब गुजरे ज़माने की बात हो गई। यह जी-20 की बैठक में विदेशी मेहमानों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा था कि "उन्हें विश्वास है कि यूरोपीय राष्ट्र और संयुक्त राज्य अमेरिका जल्द ही इस क्षेत्र के खिलाफ जारी ट्रेवल एडवाइजरी ख़त्म करेगा।"[11]

11. वैश्विक आयोजन के आगामी परिणाम

मई माह के अंतिम सप्ताह में श्रीनगर में आयोजित जी-20 की बैठक से जम्मू कश्मीर की वैश्विक पहचान बन गई है। यही कारण है

©WE-Faculty of Arts

कि बैठक हुए दो महीने भी नहीं हुए उसके सुखद परिणाम आने प्रारम्भ हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर पर्यटन सचिव सैयद आबिद रशीद ने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित करना जम्मू और कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक अविस्मरणीय क्षण था। हम अब इसके सकारात्मक परिणाम देख रहे हैं,वह आगे कहते हैं कि "हमें उन देशों से बहुत पूछताछ और बुकिंग मिल रही है जो जी-20 शिखर सम्मेलन में नहीं आए थे।"[12] हमें विश्वास है कि आने वाले समय में, हम जम्मू और कश्मीर को एक वैश्विक गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे। कश्मीर का खूबसूरत नजारा देखकर ही शायद जहांगीर ने फ़ारसी में कहा था कि 'गर फिरदौस बर रुए ज़मीं अस्त; हमीं अस्तो, हमीं अस्तो, हमीं अस्त' अर्थात अगर पृथ्वी पर कहीं स्वर्ग है तो यहीं है, यहीं पर है और सिर्फ यहीं पर है। यही कारण है कि पिछले वर्ष 10 लाख से अधिक पर्यटकों ने कश्मीर की वादियों का दीदार किया। यही कारण है कि 71वीं मिस वर्ल्ड 2023 प्रेस कॉन्फ्रेंस कश्मीर में आयोजित की गई। इसमें मिस वर्ल्ड आर्गेनाइजेशन की चेयरपर्सन जूलिया मॉर्ले ने घोषणा की कि भारत नवंबर से दिसंबर तक वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए कार्यक्रमों की एक महीने की श्रृंखला की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा उम्मीद है कि कार्यक्रम का एक हिस्सा कश्मीर में आयोजित किया जाएगा। श्रीनगर के दौरे के दौरान मॉर्ले ने पत्रकारों से कहा, "यह पर्यटन के लिए एक शानदार स्थान है। सच कहूं तो मैं बहुत खुश हूँहमारे लिए यह भावनात्मक है, ऐसी सुंदरता को देखने के लिए..."[13]

12. निष्कर्ष

जम्मू-कश्मीर में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ।जिसका उद्देश्य पर्यटन के क्षेत्र में क्षेत्र की क्षमता और अवसरों को प्रदर्शित करना था।साथ ही विभिन्न मुद्दों पर वैश्विक सहयोग और एकजुटता को बढ़ावा देना था।इस सम्मलेन से जम्मू-कश्मीर को वैश्विक मान्यता मिली। जी-20 सदस्य देशों के 60 से अधिक प्रतिनिधियों का ध्यान कश्मीर ने आकर्षित किया।साथ ही विश्व ने देखा कि भारत जम्मू-कश्मीर में अर्थव्यवस्था और विकास के नए आयाम तय कर रहा है, जिससे वहाँ के स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार, आय और कौशल विकास जैसे आर्थिक अवसर पैदा हो रहे हैं और सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि पर्यटन राजस्व भी बढ़े। (15) क्षेत्र की कनेक्टिविटी और पहुंच में सुधार के लिए कई सार्वजनिक-निजी भागीदारी भी शामिल कर रहे हैं, जिससे सड़कें, पुल, हवाई अड्डे का निर्माण किया जा सके।[16]

स्थायी पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो पर्यावरण को संरक्षित करते हैं और स्थानीय समुदायों को लाभ पहुंचाते हैं, जैसे प्राकृतिक संसाधनों की खपत को कम करना, पारिस्थितिक तंत्र के क्षरण को रोकना, जानवरों को नुकसान पहुंचाने या शोषण करने वाली गतिविधियों से बचना, संरक्षण प्रयासों का समर्थन करना, अपशिष्ट और प्रदूषण को कम करना, रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत इत्यादि। स्थानीय समुदायों की सांस्कृतिक विविधता और पहचान के संरक्षण प्रदान किया जा रहा है जिसमें वहाँ की परंपराओं, भाषाओं, कलाओं और शिल्पों को संरक्षित किया जाना शामिल है। जी20 देशों के सदस्यों ने स्थानीय कलाकारों, संगीतकारों, लेखकों के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान की संस्कृति विकसित की, साथ ही उन्हें पूर्ण सहयोग देने की पेशकश भी की। जलवायु परिवर्तन, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और सुरक्षा जैसे वैश्विक मुद्दों पर एक साथ काम करने के लिए जी-20 देशों ने प्रतिबद्धता व्यक्त की।[17]

भारत जी-20 प्रेसीडेंसी के हिस्से के रूप में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) अग्रणी है। जी-20 डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप (DEWG), जिसने डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल अर्थव्यवस्था में सुरक्षा और डिजिटल कौशल जैसे तीन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की है।[18] इसी के अंतर्गत जी-20 की बैठक में डिजिटल जम्मू-कश्मीर की तस्वीर पेश की गई।जिसमें अनुच्छेद 370 निरस्त होने के पश्चात आई शांति और सम्पन्नता से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया गया। इन बदलावों से चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचारों को भी ख़ारिज किया गया। जम्मू-कश्मीर में चल रही 400 से अधिक डिजिटल सरकारी योजनाओं से विदेशी मेहमानों को अवगत कराया गया। जिसमें समय-समय पर नागरिकों से ऑनलाइन माध्यम से सुझाव भी लिए जा रहे हैं, जिससे नागरिक और प्रशासन के मध्य परस्पर सम्बन्ध स्थापित हो रहे हैं।

सन्दर्भ सूची

1. G-20 Historic Opportunity to Showcase J-K's Culture, Heritage, Tourism: LG Sinha, Outlook, May 21, 2023
2. Dr. Shenaz Ganai, "G-20 Igniting Socio-Economic Growth in Kashmir: A Thriving South Asia Beckons", ANI, May 9, 2023
3. Third G-20 Tourism meeting to be organized from 22nd to 24th May at Shrinagar, PIB Delhi, May 19, 2023
4. Fareha Naaz, "Kashmir gears up for G20 summit with heightened security, development initiatives", Mint, May 16, 2023,
5. "पीएम के मार्गदर्शन में जम्मू-कश्मीर शांति और संवृद्धि की राह पर", अमर उजाला, 24 मई 2023 (जम्मू-कश्मीर संस्करण)
6. Sajid Yousuf Shah, "India's G20 Summit in Kashmir Is a Big Deal", May 05, 2023, Fair Observer
7. Ayjaz Wani, "G20 in Srinagar: Showcasing the return of Peace and Kashmir's Global Tourism Potential", May 22, 2023, orfonline.com
8. नवीन नवाज, "कश्मीर में फिल्म पर्यटन पर विदेशी निवेश पर खुल रही राह", दैनिक जागरण, 24 मई 2023 (जम्मू संस्करण)

© WE Academy of Arts

9. Anamitra Banerjee, "Kashmir and India's G20 Presidency", JK Policy Institute, April 4, 2023
10. 'G-20 meeting set to herald all-round development in Jammu and Kashmir', Greater Kashmir, May 14, 2023,
11. Mir Ehsan, Srinagar, "Hopeful of more foreign tourists visit Kashmir", Aug 29, 2023, Hindustan Times
12. Zulfikar Majid, "After G-20 summit, Kashmir sees increase in foreign tourists", July 22, 2023, Deccan Herald
13. "कश्मीर में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन की योजना", 30 अगस्त 2023, DW
14. "Kashmir All Set to Host This Year's Miss World Pageant", August 28, 2023
15. Cherylann Mollan & Sharanya Hrishikesh, "G-20: India hosts tourism meet in Kashmir amid tight security", May 22, 2023, BBC News
16. Devika Bhattacharya, "How the G-20 meet in Kashmir is more than a summit, it's rejuvenation", India Today, May 23, 2023
17. Moomin Farooq Lone, "G-20 Summit: The possible outcomes for Jammu and Kashmir", January 21, 2023, Kashmir Reader
18. PIB Bengaluru, August 16, 202

©WE-Faculty of Arts